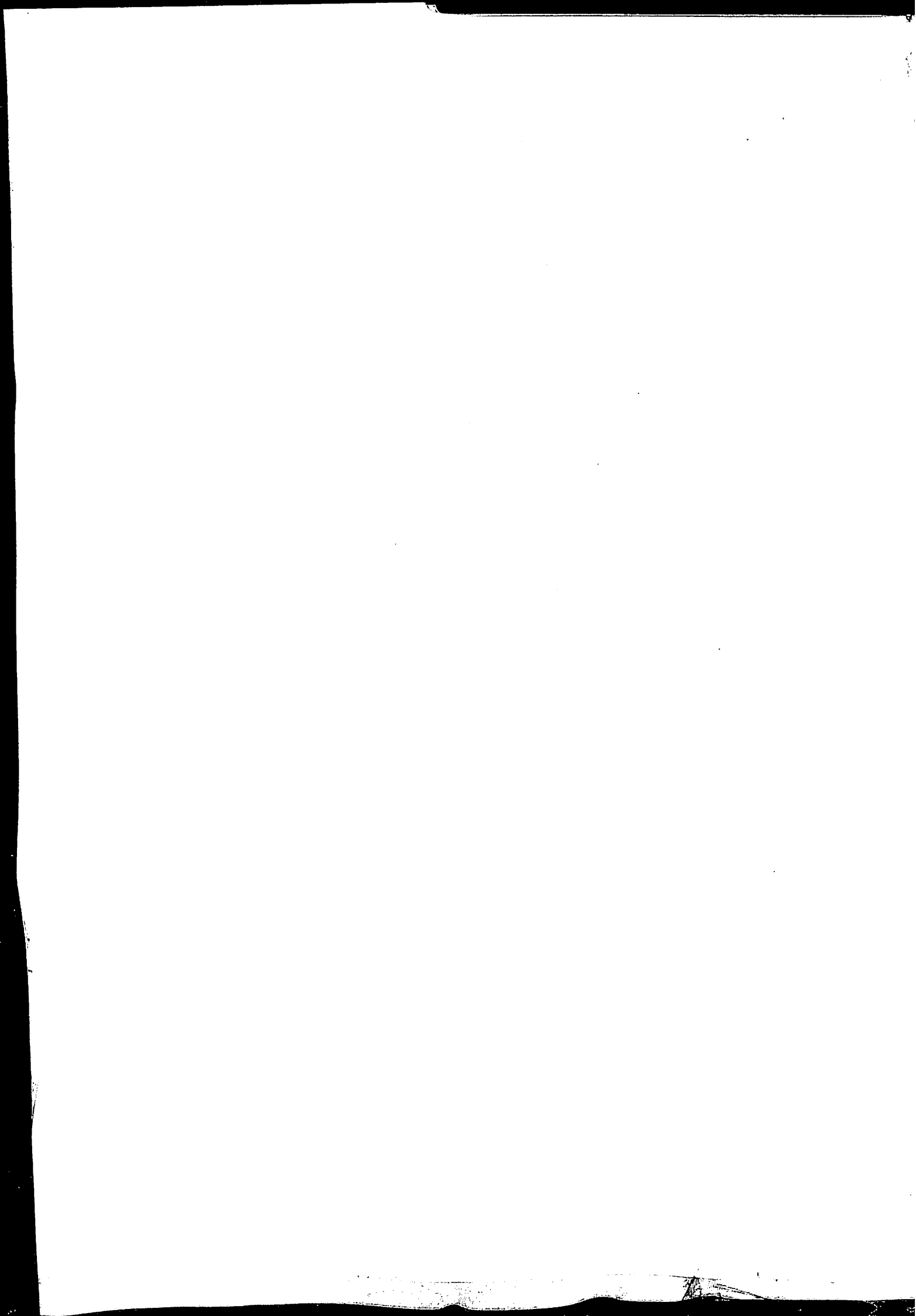






2388172

क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	15	19	3
2	7	20	3 1/2
3	10	21	4
4	2	22	4
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	79 1/2
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

नोट :- परीक्षक के उपयोग हेतु

भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☒ अंग्रेजी ☐विषय विज्ञानपरीक्षा का दिन बुधवारदिनांक 20-3-2024

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 1/4 को 16, 17 1/2 को 18, 19 3/4 को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर राज संकेतांक 0722

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 175/2023

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटे।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सके।
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुसाधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्यामेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं लावें। चाहिये, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना साँपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटे।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
15	प्र. 1	
2	उत्तर	(i) (स) 9
2		(द) <u>लैक्टिक अम्ल</u>
2		(अ) <u>कामर</u>
2		(ii) (ब) <u>रक्त-रक्त</u>
2		(iv) (द) <u>परिसंचरण तंत्र</u>
2		(v) (स) <u>द्वारकीशिक</u>
2		(अ) <u>पीयूष ग्रंथि</u>
1		(vi) (स) <u>उष्मलिंगता</u>
1		(vii) (ब) <u>XY</u>
1		(ix) (ब) <u>6</u>
1		(x) (स) <u>$\mu = \frac{v}{f}$</u>
1		(xi) (ब) <u>वायुमंडलीय अपवर्तन वायुमंडलीय अपवर्तन</u>
1		(xii) (स) <u>x</u>
1		(xiii) (ब) <u>सुरक्षा के उपाय के रूप में</u>
1		(xiv) (स) <u>विद्युत धारा की दिशा दिखा</u>
1		(xv)
प्र. 2		
2	उत्तर	(i) <u>नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड व नाइट्रोजन ट्राई ऑक्साइड</u>
1		(ii) <u>Cl⁻</u>
1		(iii) <u>10</u>
1		(iv) <u>अमोनिया</u>
1		(v) <u>आम्ल सिनप्ल</u>
1		(vi) <u>आवर्धन ता</u>
1		(vii) <u>उत्तल</u>



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

10

प्र. 3

उत्तर

(i) पीतल में ताँबा के साथ मिश्रित दूसरी धातु
'लिंक' है।

(ii) प्रोमीन

(iii) प्रोपाइन = $\text{CH}_3 - \text{C} \equiv \text{CH}$

(iv) पुराने जल्लम में।

(v) मैडुला (महमांवा)

(vi) गोरिया रिरीक्स।

(vii) लक्षण प्राकृत अनुपात = 3:1 (1 = लौना पौधा)
~~अन्य प्राकृत अनुपात = 1:2:1~~

(viii) गोलेय लेंस के लिए बिंदु दूरी, प्रतिबिंब
दूरी व फोकस दूरी के बीच निम्न संबंध
है -

$$\frac{1}{f} = \frac{1}{v} - \frac{1}{u}$$

इसे ब लेंस सूत्र भी कहते हैं।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(ix) परितारिका ।(x) नाब ।

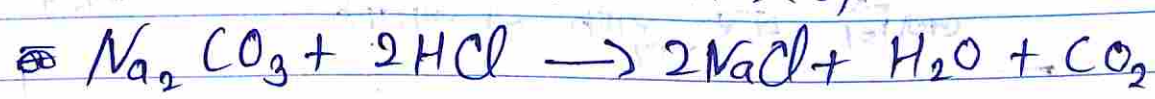
प्र. 4

उत्तर



उपरोक्त अभिक्रिया में ब्रॉगिल [X] का नाम सोडियम क्लोराइड है तथा इसे साधारण नमक भी कहते हैं ।

इसका रासायनिक सूत्र = NaCl
व मिश्रित रासायनिक संमीकरण निम्न है -

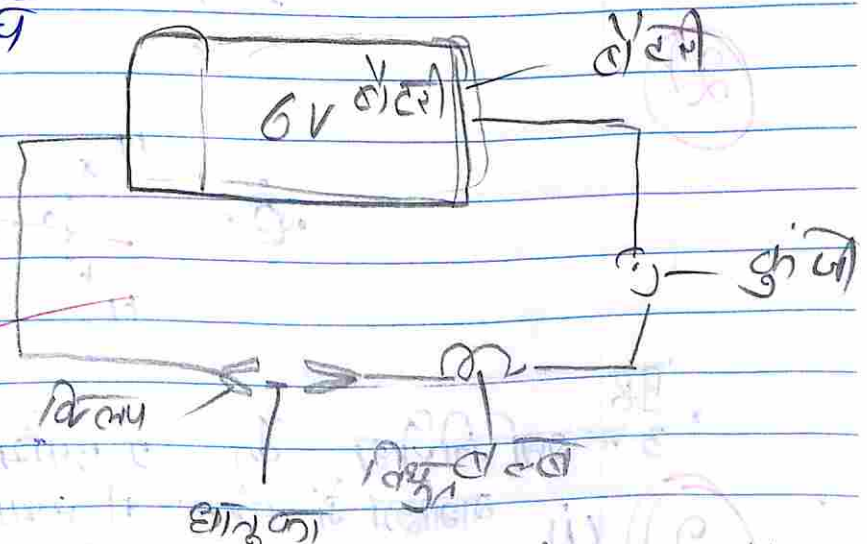


प्र. 5

उत्तर

किसी धातु का टुकड़ा
विलयन के बीच
रखने पर

बल्लब जलता
है, अर्थात्
धातु धातु है
विद्युत की
सुचालक
होती है ।



टुकड़ा नखचे के रूप में रखना है ।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 6

उत्तर

(2)

जल के 2 भाग होते हैं जल रागी अर्थात् जल में घुलनशील जल विरागी अर्थात् जल में अघुलनशील कणों पर लगा में हम वसीय प्रकृति का होता है तथा जल विरागी भाग में लगी कणों से अलग करता है व जल के रागी भाग जल में घुलकर आग बनाता है जिससे जल में आ जाता है और कण साफ हो जाता है।

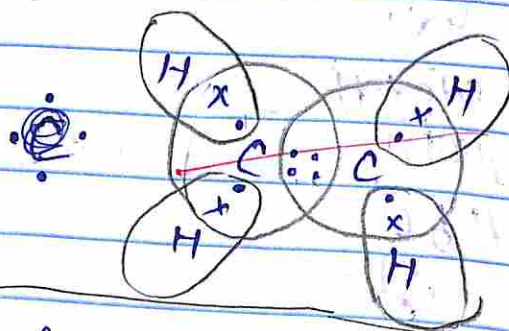
अतः जल की उपस्थिति में मले साफ़ लगे पर साफ हो जाता है

प्र. 7

उत्तर

एथीन $\Rightarrow C_2H_4$

(2)



प्र. 8

उत्तर

गर्भ निरोध के 2 उपाय निम्न हैं -

(2)

(i) गर्भाश्र में कॉन्डोमी स्थापित करवाना।

(ii) वीर्यन के लिए आवरण का उपयोग करना।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 10

उत्तर

प्रतिरोध $R = 10 \Omega$ धारा $I = 3 A$ समय $t = 2 \text{ s}$

जूल के तापन के नियम से -

$$H = I^2 R t$$

$$= (3)^2 \times 10 \times 2$$

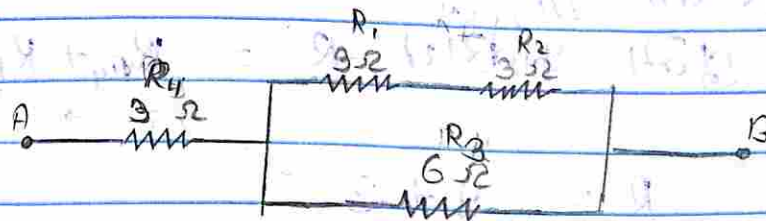
$$= 9 \times 10 \times 2$$

$$= 180 \text{ जूल}$$

अतः कुल में उत्पन्न ऊष्मा का मान $= 180 \text{ जूल}$

प्र. 11

उत्तर



स्थिति 1 =

$$R_p = 3\Omega + 3\Omega$$

$$R_p = R_1 + R_2$$

$$= 3\Omega + 3\Omega$$

$$= 6\Omega$$

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

सिद्धांति II

~~$$1/R_k = R_p + R_3$$~~

$$\frac{1}{R_k} = \frac{1}{R_p} + \frac{1}{R_3}$$

$$\frac{1}{R_k} = \frac{1}{6} + \frac{1}{6}$$

$$\frac{1}{R_k} = \frac{1+1}{6}$$

$$\frac{1}{R_k} = \frac{2}{6}$$

$$\frac{1}{R_k} = \frac{1}{3}$$

$$R_k = 3$$

सिद्धांति III

कुल प्रतिरोध $R = R_p + R_k$

$$R = 3 + 3$$

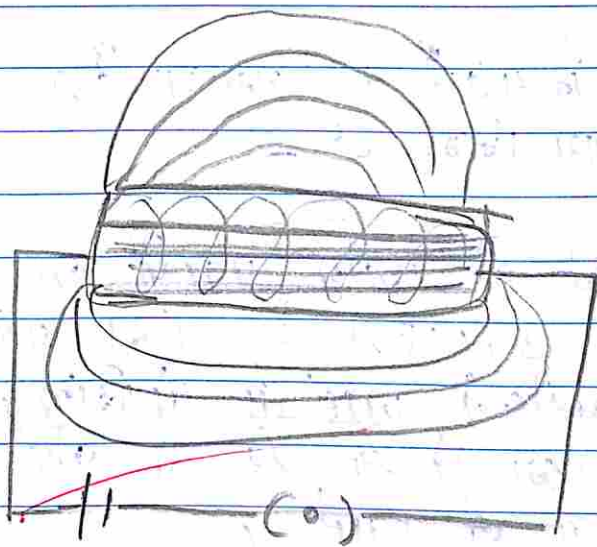
~~$$R = 6 \Omega$$~~

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 12

उत्तर



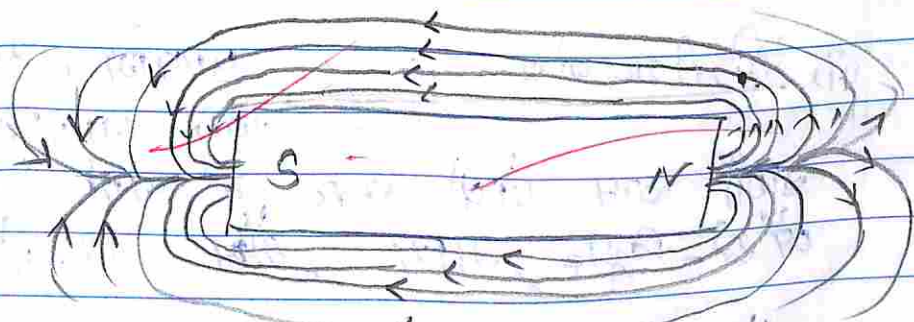
परिनालिका के भीतर एवं उसके
चारों ओर चुंबकीय क्षेत्र

तांबे के तार से लिपटी अनेक लुंसीयों वाली
आकृति परिनालिका कहलती है।
परिनालिका के भीतर चुंबकीय क्षेत्र समांतर
रेखाओं में प्राप्त होता है।

प्र. 13

उत्तर

चुंबकीय क्षेत्र रेखाएँ :- चुंबकीय क्षेत्र की प्रवृत्ति
जानने के लिए कुछ काल्पनिक
रेखाओं का समुह खींचा जाता है जिनसे चुंबकीय
क्षेत्र रेखाएँ कहते हैं।



चुंबकीय क्षेत्र रेखाएँ

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 14

उत्तर

कचरा निपटारे की समस्या को कम करने के 2 उपाय निम्न हैं -

(2)

(i) जैव निम्नीकरणीय पदार्थों का उपयोग करें। उपाहरण के लिए जब कोई सामान खरीदने जाए तो पोलिथिन का उपयोग कम से कम करें व कोर्स कपड़े का चोला लें जाएं।

(ii) रि-यूजेबल प्लास्टिक का उपयोग करें व ड्रि सिस्टम का पालन करें।

BSE/17/5/2021

प्रश्न

प्रश्न

उत्तर

आहार शृंखला के मुख्य पोषी स्तर निम्न हैं -

(2)

(i) प्राथमिक पोषी स्तर :- उत्पादक व हरारेक स्तर के अंतर्गत आते हैं। ये इस पोषी स्तर के अंतर्गत आते हैं। यह मुख्य रूप से खरिद अर्जा में परिवर्तित कर देते हैं।

(ii) द्वितीयक पोषी स्तर :- प्राथमिक उपभोक्ता तथा शाकाहारी जो इस पोषी स्तर में आते हैं। जैसे - बिड़ार, गाय, भैंस, बकरी आदि।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(i) तृतीयक पोषी स्तर :- द्वितीयक उपभोजिता तथा छोटे मांसाहारी इस पोषी स्तर के अंतर्गत आते हैं। जैसे - साँप, मेंढक आदि।

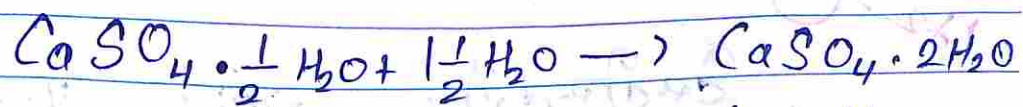
(ii) चतुर्थक पोषी स्तर :- तृतीयक उपभोजिता तथा बड़े मांसाहारी इस पोषी स्तर में आते हैं। जैसे - बाघ, शेर, चीता आदि।

प्र/6

उत्तर

(i) ~~प्लास्टर ऑफ पेरिस~~ = $\text{CaSO}_4 \cdot \frac{1}{2} \text{H}_2\text{O}$

(ii) प्लास्टर ऑफ पेरिस में जल मिलाने पर वह ठोहर हो जाता है क्योंकि जब प्लास्टर ऑफ पेरिस में जल मिलाया जाता है तब वह जिप्सम बन जाता है।



जिप्सम का सूत्र $\text{CaSO}_4 \cdot 2\text{H}_2\text{O}$ होता है। जिप्सम को उच्च ताप पर राखी करने पर कैल्शियम सल्फेट का अर्धहाइड्रेट बनता है, तथा इसे ही प्लास्टर ऑफ पेरिस कहते हैं। तथा इसमें जल मिलाने पर यह जिप्सम बन जाता है।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

जिप्सम अत्यंत कठोर पदार्थ है।

अतः यही कारण है की जल में प्लास्टर ऑफ पेरिस (POP) मिलाने पर यह अत्यंत कठोर हो जाता है।

प्रश्न

उत्तर वृषण से टेस्टोस्टेरोन हार्मोन निकलता

टेस्टोस्टेरोन हार्मोन के 2 कार्य निम्नलिखित हैं -

(i) यह हार्मोन लड़कों में शैवनावस्था में होने वाले कई परिवर्तन जैसे कि दाढ़ी, मूंछ आने के लिए उत्तरदायी है।

(ii) इस हार्मोन के कारण शैवनावस्था में लड़कों की आवाज भारी हो जाती है। तथा यह हार्मोन नर जनन कोषी युक्ताणुओं के उत्पादन को नियंत्रित करता है।

टेस्टोस्टेरोन हार्मोन मुख्यतः वृषण में होने वाले परिवर्तनों के लिए उत्तरदायी है।

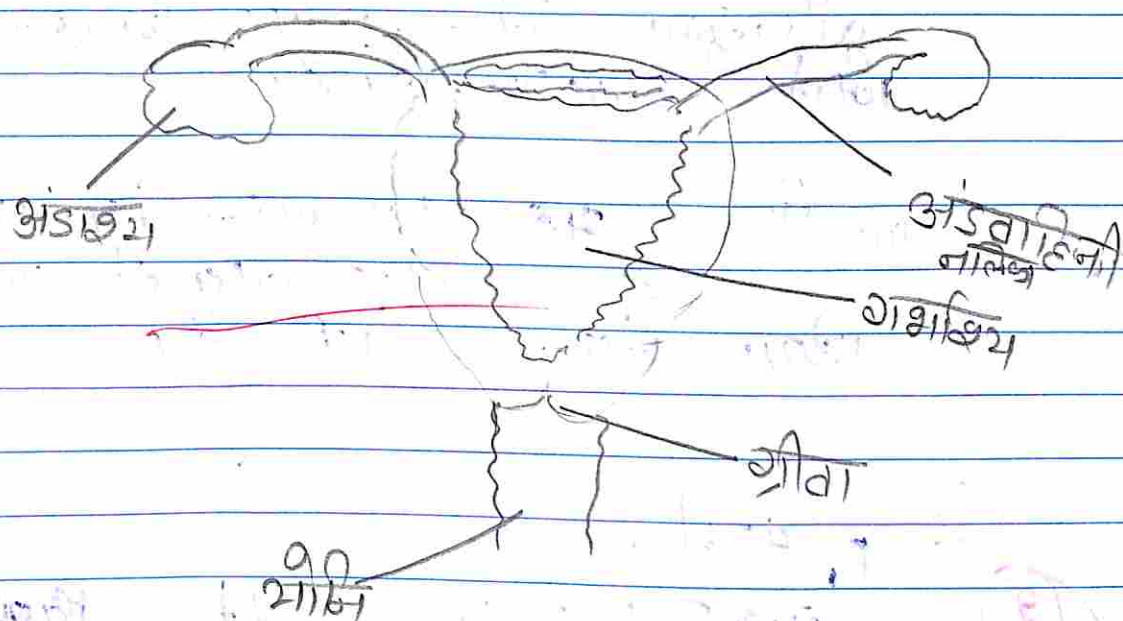
परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 18

उत्तर

2



मादा जनन तंत्र

मादा जनन तंत्र के मुख्य भाग निम्न हैं -

(1) अंडाशय :- अंडाशय में अंड कोषिका अर्थात् मादा जनन कोषिका होती है। लड़की के जन्म के समय ही इसमें हजारों अपरिपक्व अंडे होते हैं। तथा वृद्धापक माह इस अंडाशय से एक अंडा परिवर्तित होकर निकलता है।

(2) अंडवाहिनी नालिका (केलोपियन ट्यूब) :- अंडाशय को जोड़ने वाली नालिका (केलोपियन ट्यूब) को अंडवाहिनी नालिका कहलाता है।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

अणुअणु :- दोनों अंडवाहिनी नापिकाएँ
संयुक्त होकर एक लचीली
पोर्लेनुमा संरचना का निर्माण करती हैं
जिसे गर्भाशय कहते हैं।

(4) भ्रूणी :- यह मादा जनन तंत्र का अग्र भाग
है इसके द्वारा ही जनन की
क्रिया संपन्न होती है।

प्र. 9

उत्तर

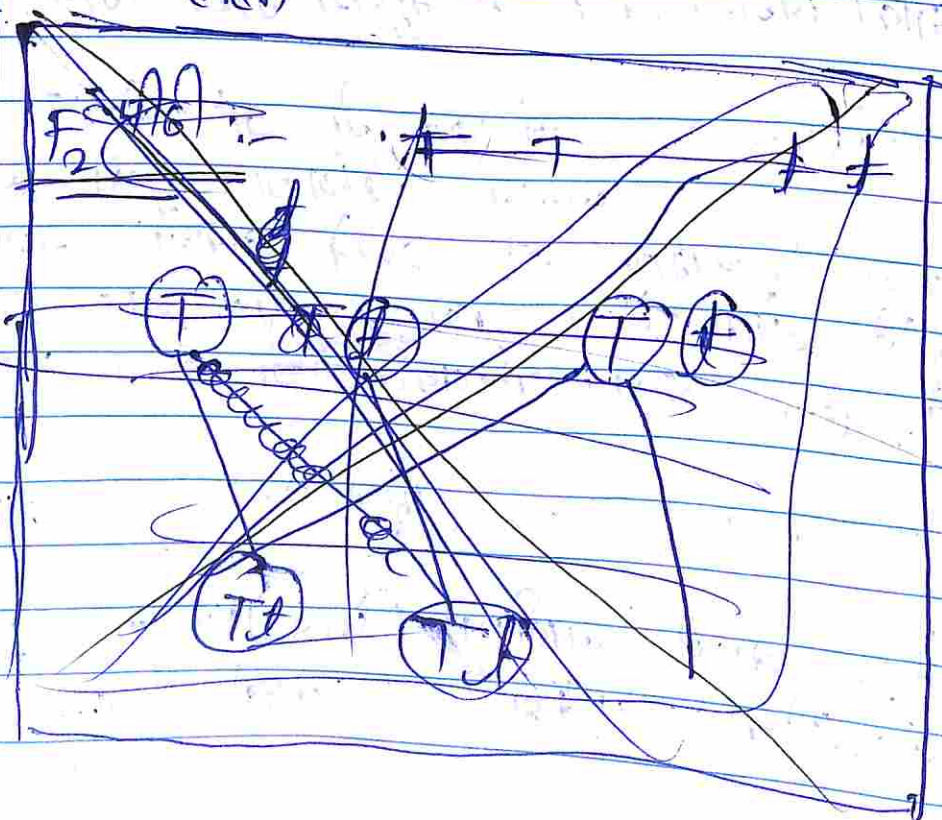
F₁ पीढ़ी :-

समयुग्मजी TT लंबा

tt

विविध युग्मजी लंबा

विविध युग्मजी लंबा



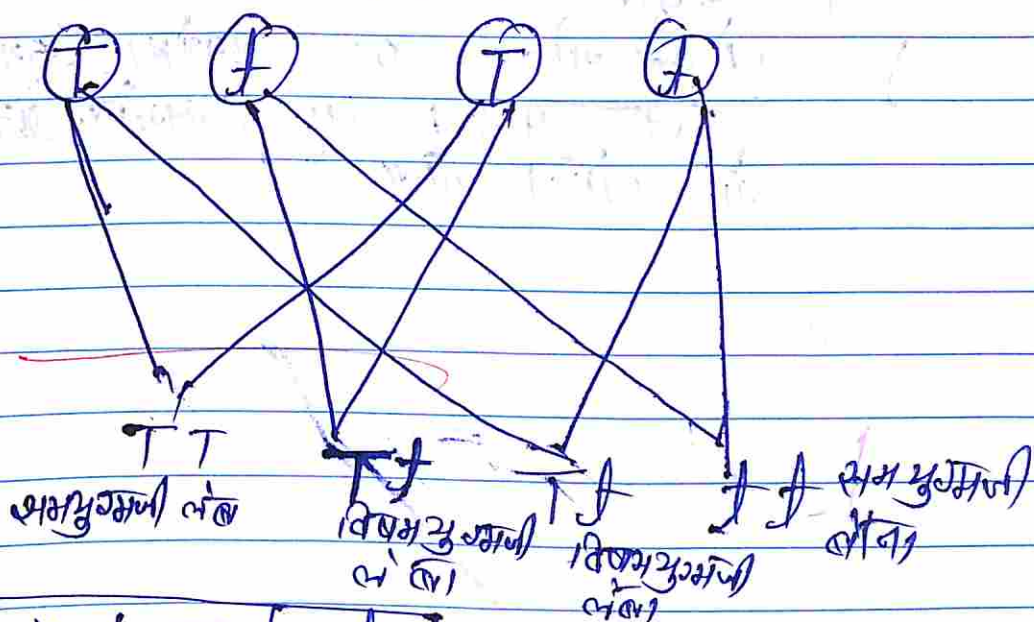


परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

F_2 पीढ़ी :-



X	T	t
T	TT	Tt
t	Tt	tt

लक्षण वारुप अनुपात = 3:1

जीन वारुप अनुपात = 1:2:1

प्रा०

उत्तर

(i) विद्युत विभवान्तर $\Rightarrow$ किसी विद्युत क्षेत्र में एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक ले जाने में जो कार्य किया जाता है उसे विद्युत विभवान्तर कहते हैं।

$V = \frac{W}{q}$



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

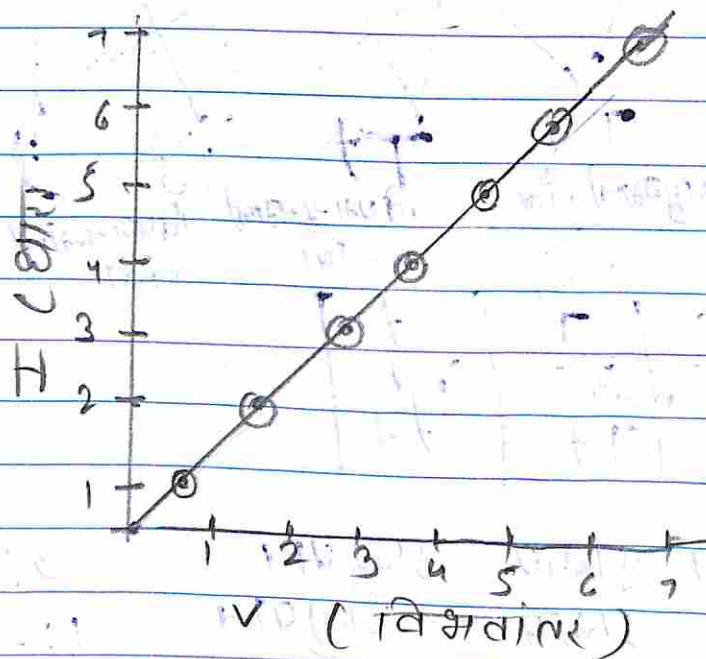
प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

इसका $S.F.$ मात्रक ~~वेक्टर~~ होता है
 $=$ वोल्ट,

(ii) विद्युत विभवान्तर का मापन करने के लिए
वोल्ट मीटर का उपयोग किया जाता है।
इसे पावर फ्लय (समोलेर क्रम) में परिपथ
में जोड़ा जाता है।

(iii)



अतः $V \propto I$

प्रश्न

उत्तर

(i) पत्तियों में रेशों का खुलना व लीफ होना :-

क पत्तियों में जो मुख्य द्विप्र पात्र जाते हैं
उन्हें रेश कहते हैं।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

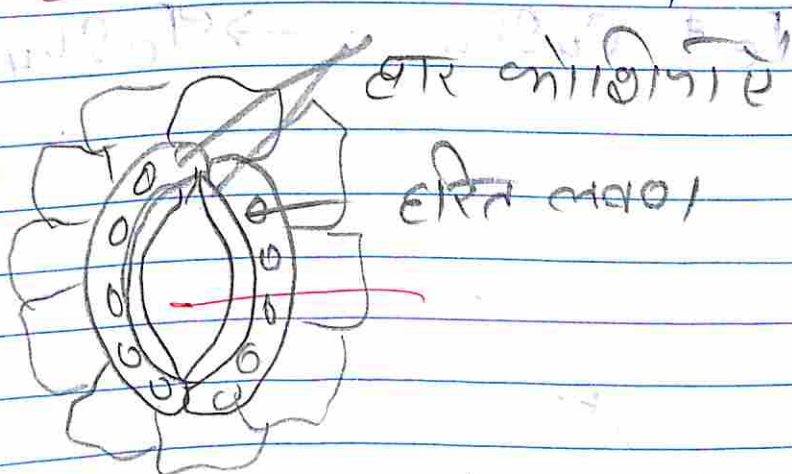
प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

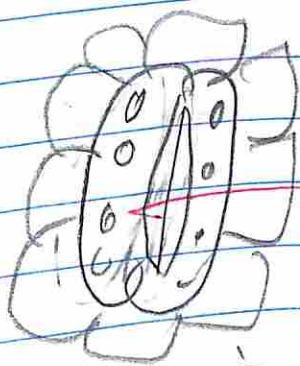
रंधों के खुलने व बंद होने का कार्य मुख्यतः
द्वार कोशिकाओं द्वारा होता है।

जब जल रंध्र में जाता है तो ये फूल
जाती है व रंध्र खुल जाता है।
इसी प्रकार जब से सिकुड़ती है तो
रंध्र को छिद्र बंद हो जाता है।

रंध्रों द्वारा पर्याप्त मात्रा में वाष्पोत्सर्जन द्वारा
जल की हानी भी होती है।



(a) खुला रंध्र



(b) बंद रंध्र



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न
संख्या

अंक

(क)

(ii)

(iii)

(iv)

(v)

(vi)

(vii)

(viii)

(ix)

(x)

(xi)

(xii)

(xiii)

(xiv)

(xv)

(xvi)

(xvii)

(xviii)

(xix)

(xx)

(xxi)

(xxii)

(xxiii)

(xxiv)

(xxv)

(xxvi)

(xxvii)

(xxviii)

(xxix)

(xxx)

(xxxi)

(xxxii)

(xxxiii)

(xxxiv)

(xxxv)

(xxxvi)

(xxxvii)

(xxxviii)

(xxxix)

(xl)

(xli)

(xlii)

(xliii)

(xliv)

(xlv)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)

(xlvix)

(xlvi)

(xlvii)

(xlviii)



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

अतः इससे स्पष्ट होता है कि यहाँ
पर विस्थापन अभि क्रिया हुई है और
आयरन ने कॉपर को विस्थापित कर
दिया है।
तथा कॉपर सल्फेट का नीला रंग ~~मलबे~~
परिवर्तित हो गया है

प्रश्न 22

उत्तर (i) लेंस का आवर्धन / आवर्धनता :- किसी भी लेंस
द्वारा वस्तु की आवेष्ट, ~~वस्तु की आवेष्ट~~
के आकार को बड़ा या छोटा करने की क्षमता
उस लेंस की आवर्धनता कहलाती है।
~~अथवा लेंस द्वारा किसी वस्तु को अभिसारीत
कर अपसारीत~~

$$M = \frac{h'}{h} = \frac{v}{u}$$

(ii) लेंस का मुख्य अक्ष :- किसी भी लेंस कि समान्तर
प्रकाश किरणें ~~प्रकाश किरणें~~ ~~प्रकाश किरणें~~ पर
के वक्रता त्रिज्याएँ C_1 व C_2 को मिलाने
वाली रेखा मुख्य अक्ष कहलाती है।

(iii) गोलीय दर्पण की वक्रता त्रिज्या $R = 14 \text{ cm}$

$$R = 2f$$

$$14 = 2f$$

$$f = \frac{14}{2} = 7 \text{ cm}$$

1+1+2 = 4



प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

$$A = 7$$

अतः लेखों की प्रतिलिपि संख्या = 7

(समाप्त)

कुल प्राप्त

80 (बाल)

मार्ग
12 मार्ग



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSR/RJ/2021



परीक्षक द्वारा प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

HSER-175/2023

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

अथ कार्य